पाठ 8: मसीह के पुनरुत्थान की सामर्थ्य

क. **मसीह के पुनरुत्थान का मूलभूत सत्य**

1. 1 कुरिन्थियों 15:1-4 यीशु के हमारे पापों के लिए मरने के संबंध में पौलुस ने किस मूलभूत सत्य पर बल दिया? (रोमियों 1:1-4 भी देखें।)
2. पौलुस ने यीशु के मरे हुओं में से जी उठने के लिए कौन-सा प्रमाण प्रस्तुत किया? 1 कुरिन्थियों 15:5-8
3. सुसमाचार के लेखकों द्वारा यीशु के पुनरुत्थान के विवरणों में कुछ भिन्नताएँ क्यों पाई जाती हैं?
4. यीशु ने अपने मरे हुओं में से जी उठने के विषय में स्वयं क्या गवाही दी? लूका 24:44-46
5. पिन्तेकुस्त के दिन पतरस ने यीशु के मरे हुओं में से जी उठने के विषय में क्या गवाही दी? प्रेरितों के काम 2:22-24

ख. **यीशु के पुनरुत्थान का महत्व**

1. 1 कुरिन्थियों 15:12-19 यीशु का मरे हुओं में से जी उठना एक मसीही के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?
2. पतरस ने कुरनेलियुस को यीशु के पुनरुत्थान के विषय में क्या प्रकाशन दिया? प्रेरितों के काम 10:36-40
3. यीशु के पुनरुत्थान का "पहला फल" होने का क्या अर्थ है, और सामान्य पुनरुत्थान का समय कब होगा? 1 कुरिन्थियों 15:20-23
4. मसीह के महिमा सहित आगमन पर "मसीह में मरे हुए" लोगों के पुनरुत्थान के विषय में हमें और कौन-सी प्रेरित जानकारी मिलती है? 1 थिस्सलुनीकियों 4:13-17
5. यीशु ने मरों के पुनरुत्थान के विषय में मार्था को क्या आश्वासन दिया, और मार्था ने उसका क्या उत्तर दिया? यूहन्ना 11:23-27

ग. **हमारे पुनर्जीवित शरीर**

1. 1 कुरिन्थियों 15:35-43 हमारे पुनर्जीवित शरीर हमारे वर्तमान शरीर से किस प्रकार भिन्न होंगे?
2. फिलिप्पियों 3:20-21 पुनरुत्थान के बाद यीशु का महिमामय शरीर कैसा था? (लूका 24:36-43; यूहन्ना 20:27 आदि देखें।)
3. बिना किसी बीमारी या सीमाओं के एक महिमामय शरीर प्राप्त करने के विषय में आपके क्या विचार हैं?

घ. **अमरता का वरदान**

1. उद्धार पाए हुए लोग अमरता का वरदान कब प्राप्त करेंगे? 1 कुरिन्थियों 15:51-57
2. हमारी इस महिमामय आशा के प्रकाश में, पौलुस ने तीमुथियुस से कैसी विनती की? 1 तीमुथियुस 6:11-16

ङ. **दो पुनरुत्थान**

1. यीशु ने सिखाया कि मरे हुओं में से दो प्रकार के पुनरुत्थान होंगे। यूहन्ना 5:28-29
2. जो लोग दण्ड के पुनरुत्थान में उठाए जाएँगे, उनका क्या होगा? प्रकाशितवाक्य 20:4-9
3. हम उन लोगों के दुःखद अंत से कैसे बच सकते हैं जो दण्ड के पुनरुत्थान में उठाए जाएँगे? यूहन्ना 3:16; 2 पतरस 3:9; रोमियों 10:13 आदि